भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2055

गुरूवार, 8 अगस्त, **2024**/17 श्रावण, **1946** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत

2055 श्रीमती संगीता यादव:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पर्यटन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) क्या सरकार ने घरेलू पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में सुधार के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पिछले दशक में पर्यटन क्षेत्र में सरकार के प्रयासों के योगदान से देश की जीडीपी में सुधार करने में मदद मिली है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में सुधार करके पर्यटन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए निम्नलिखित पहलें शुरू की हैं:-

- नागरिकों को देश के भीतर यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देखो अपना देश पहल की शुरूआत की गई है ।
- पर्यटन मंत्रालय ने ग्रामीण पर्यटन के विकास, ग्रामीण होमस्टे के संवर्धन, इको पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, चिकित्सा और निरोगता पर्यटन, स्थायी पर्यटन और एमआईसीई उद्योग हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है ।
- गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया गया है । पर्यटन मंत्रालय ने एसडी 2.0 योजना के तहत 644.00 करोड़ रु. की राशि से 29 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं ।

- पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने और स्थायी तथा जिम्मेदार गंतव्यों के रूप में पर्यटक स्थलों को परिवर्तित करने के लिए स्वदेश दर्शन की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक एक उप-योजना संबंधी दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं ।
- देश में चिह्नित तीर्थ/विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत की गई है ।
- अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक अखिल भारतीय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई जो विभिन्न डिजिटल उपकरणों के माध्यम से उपलब्ध है । इस कार्यक्रम का लक्ष्य देश भर के पर्यटक स्थलों पर स्थानीय, प्रशिक्षित और पेशेवरों का एक पूल तैयार कर पर्यटकों के संपूर्ण अनुभव को बेहतर बनाना है ।
- बेहतर मानक सेवा प्रदान करने के लिए श्रमशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत बनाने हेतु 'सेवाप्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी)' योजना के तहत कार्यक्रमों का आयोजन ।
- पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक स्थलों तक बेहतर हवाई संपर्क स्थापित करने के लिए अनेक पर्यटन मार्गों को शामिल करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय से संपर्क किया । क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस-उड़ान) के तहत नागर विमानन मंत्रालय द्वारा 53 पर्यटन मार्गों को चालू किया गया है ।
- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और अनुभव सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय वर्गीकरण और अनुमोदन की अपनी स्वैच्छिक योजना के तहत आवासीय इकाइयों के साथ-साथ ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य एवं पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटरों और कनवेंशन केंद्रों को वर्गीकृत करता है । इस प्रणाली के तहत होटलों को वन स्टार से थ्री स्टार, मदिरा के साथ और बिना मदिरा के फोर और फाइव स्टार, फाइव स्टार डीलक्स, विरासत (बेसिक), विरासत (क्लासिक), विरासत (ग्रेंड), लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक), लिगेसी विंटेज (ग्रेंड) और अपार्टमेंट होटल की रेटिंग दी जाती है । पर्यटन मंत्रालय की टाइमशेयर रिजॉर्ट, प्रचालित मोटल, अतिथि गृह, बेड और ब्रेकफास्ट/होमस्टे प्रतिष्ठान, टेंटिड आवास जैसी श्रेणियों के साथ-साथ ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटरों, स्टेंड-अलोन एयर केटरिंग इकाइयों, कंवेंशन केंद्रों स्टैंड अलोन रेस्तरां के अनुमोदन/पंजीकरण के लिए भी स्वैच्छिक योजनाएं हैं । पर्यटन मंत्रालय से प्राप्त अनुमोदन/वर्गीकरण/पंजीकरण इन इकाइयों को और अधिक विश्वसनीय बनाता है और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों सहित यात्रियों द्वारा इनकी सेवाओं को प्राथमिकता दी जाती है ।

(घ) और (ड.): पिछले दशक में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से कोविड से पहले और कोविड के बाद की अवधि में पर्यटन क्षेत्र के योगदान के माध्यम से देश की जीडीपी को

बेहतर बनाने में मदद मिली है । भारत की जीडीपी में पर्यटन की हिस्सेदारी का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष **2015-16** से वर्ष **2021-22** के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी (% में)			
वर्ष	सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का कुल हिस्सेदारी (%)	प्रत्यक्ष हिस्सेदारी (%)	अप्रत्यक्ष हिस्सेदारी (%)
2015-16	**5.09**	**2.65**	**2.44**
2016-17	**5.04**	**2.62**	**2.42**
2017-18	**5.03**	**2.61**	**2.42**
2018-19	**5.01**	**2.61**	**2.4**
2019-20	**5.18**	**2.69**	**2.49**
2020-21 (कोविड वर्ष)	**1.5**	**0.78**	**0.72**
2021-22 (कोविड वर्ष**)**	**1.77**	**0.92**	**0.85**
स्रोत: तृतीय पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट**, 2015-16** और राष्ट्रीय अकाउंट सांख्यिकी (एनएएस) 2023			

हालांकि पर्यटन से जुड़ी नौकरियां काफी हद तक स्थिर बनी हुई हैं और सकारात्मक रूझान दर्शा रही है । एफटीए महामारी से पूर्व के स्तर के 85**%** तक पहुंच गया है । घरेलू पर्यटक यात्राएं कोविड से पहले के स्तर को पार कर गई है ।

पर्यटन से उत्पन्न प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष नौकरियों का विवरण (मिलियन में) निम्नानुसार है:

2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
69.44	**68.07**	**70.04**	**76.17**
स्रोत: तृतीय पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट**, 2015-16** और आवधिक श्रमशक्ति सर्वेक्षण से संबंधित राउंड्स			

भारत में विदेशी पर्यटक आगमन का विवरण (मिलियन में) निम्नानुसार है:-

2019	**2020**	**2021**	**2022**	**2023 (**अ)
10.93	**2.74**	**1.52**	**6.44**	**9.24**

स्रोत: अप्रवासन ब्यूरो; (अ) - अनंतिम

घरेलू पर्यटक यात्राओं का विवरण (मिलियन में) निम्नानुसार है:-

2019	**2020**	**2021**	**2022**	**2023 (**अ)

2321.98	**610.22**	**677.63**	**1731.01**	**2509.63**

स्रोत: राज्य/संघ राज्यक्षेत्र पर्यटन विभाग; (अ) - अनंतिम

*****